विद्युत दर्पण

पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति

गृह पत्रिका

अंक - 18 अक्तूबर - दिसम्बर 2010

सम्पादकीय

वर्ष 2010 समाप्ति पर है, नया वर्ष अर्थात 2011 दहलीज पर है । ऐसे समय में हम बीते वर्ष का लेखा-जोखा देखते हैं । जीवन के हर क्षेत्र में देखते हैं कि हमने क्या पाया और क्या खोया । ऐसे में सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए हम सोचते हैं कि जो कमी रह गयी है, उसे आने वाले वर्ष में पूरा करें और सफलता प्राप्त करें । सफलता के लिए नियोजनबद्ध और एक लक्ष्य सामने रखकर मेहनत करना आवश्यक है । अपने विचारों में सकारात्मक दृष्टिकोण हो तो सफलता हासिल करने में आसानी रहेगी । प्रयासों में निरंतरता होनी चाहिए । हम सभी की विचार प्रक्रिया में हमारा अपना एक दृष्टिकोण होता है ।

एक ही घटना में हर एक का दृष्टिकोण अलग-अलग होता है । इसीलिए ग्लास आधा भरा है कहें या आधा खाली है कहें यह व्यक्ति विशेष के दृष्टिकोण पर निर्भर होता है । हमारे अपने विचार ही हमारे लिए प्रेरणादायी होने चाहिए । इसलिए प्रत्येक के विचारों को ध्यान में रखते हुए सही दिशा की ओर बढ़ना चाहिए । सफलता दूर नहीं रह सकती ।

(मनजीत सिंघ)
सदस्य सचिव

* * *-* * *

राजभाषा समाचार

- राजभाषा विभाग की अनुसंधान अधिकारी (कार्यान्वयन) सुश्री सुष्मिता भट्टाचार्य द्वारा दिनांक 18 नवम्बर 2010 को कार्यालय का निरीक्षण किया गया।
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 92 वीं बैठक दिनांक 18 अक्तूबर 2010 को श्री मनजीत सिंघ, सदस्य सचिव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई ।
- दिनांक 22 दिसम्बर 2010 को आयोजित हिन्दी कार्यशाला में ''राजभाषा नीति अनुपालन : मेरा दायित्व'' विषय पर श्रीमती तरूप्रभा शैल, हिन्दी अधिकारी ने व्याख्यान दिया । इस कार्यालय के कुल 5 अधिकारी एवं 9 कर्मचारी तथा आरपीएसओ, मुंबई के एक कर्मचारी ने इस कार्यशाला का लाभ उठाया ।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मुंबई की दिनांक 25 नवम्बर 2010 को आयोजित बैठक में श्री मनजीत सिंघ, सदस्य सचिव एवं श्री एम.एम.धकाते, सहायक सचिव / राजभाषा अधिकारी ने भाग लिया ।
- कार्यालय की वर्ष 2009-10 की वार्षिक रिपोर्ट द्विभाषी रूप में दिनांक 29 अक्तूबर 2010 को जारी की गई ।

* * *-* * *

तकनीकी समाचार

1. प.क्षे.वि.समिति ने 12.11.2010 को संपन्न हुई बैठक में प.क्षे.की नॉन आईएसटीएस लाइसेंसी पारेषण लाइनों का के.वि.नि. आयोग द्वारा पीओसी चार्जेस हेतु शामिल किए जाने के लिए लाइनों का अनुमोदन किया ।
2. प.क्षे. से अन्तर्क्षेत्रीय विद्युत पारेषण के लिए जहाँ राज्य की पारेषण लाइनों का उपयोग होता है, उन राज्यों को उनकी पारेषण लाइनों पर हुई ऊर्जा क्षति की प्रतिपूर्ति हेतु इस प्रकार की ऊर्जा क्षति को क्षेत्रीय पूल में शामिल करने का महत्वपूर्ण निर्णय दिनांक 12.11.2010 को सम्पन्न हुई पक्षेविसमिति की 15 वीं बैठक में लिया गया ।

* * *-* * *

स्वच्छता से स्वास्थ्य

जिसे फिक्र है स्वच्छता की, उसकी पूँजी बढ़े स्वास्थ्य की ।

श्रीमती सी.एन.उन्नीकृष्णन्, अ.श्रे.लि.

स्वच्छता स्वास्थ्य की सीढ़ी है ।

श्री दीपक गवाली, सहायक निदेशक -I

स्वच्छता रखिये चारों ओर, भगाइये बीमारियों को दूर ।
बीमारियाँ शरीर को देती हैं कष्ट, साथ में धन भी होता है बहुत नष्ट।

श्रीमती शोभना पण्णीकर, आशुलिपिक

(साभार-हिन्दी दिवस 2010: स्लोगन प्रतियोगिता)

* * *-* * *

अपने आवास को उपयुक्त उपकरणों तथा पर्याप्त विद्युत आपूर्ति से सुरक्षित तथा अधिक आरामदायक बनायें

सुकुमार हानरा, सहायक निदेशक

गृह वस्तुओं में विद्युत कार्य

कोई भी आवास विद्युत आपूर्ति के बिना अधूरा है । अधिक आरामदायक जीवन तथा सुरक्षा के लिए निम्न साधारण विद्युत संस्थापना संबंधी जरूरी बातों का अनुसरण करें:

- हमेशा ISI प्रमाणित विद्युत उपकरण ही खरीदें ।
- आंतरिक सज्जा को सरल बनाने के लिए स्विच बोर्ड की स्थिति पहले से सुनिश्चित कर लें ।
- विद्युत शॉक (अपघात) से बचने के लिए अर्थिंग की पर्याप्त व्यवस्था की जाये ।
- अस्थाई आवश्यकता न होने पर अनावश्यक अस्थाई विद्युत कनेक्शन न लगायें ।
- सुनिश्चित करें कि आपके आवास की वायरिंग तथा इंसूलेशन उपयुक्त है ।
- यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक विद्युत बोर्ड का अलग फ्यूज़ या एमसीबी हो ।
- स्थायी कनैक्शन के लिए कभी भी एक्सटेंशन बोर्ड का प्रयोग न करें ।
- विद्युत प्रवाह हेतु तार, पानी, तेल तथा ताप से दूर होने चाहिए ।
- विद्युत उपकरण बच्चों की पहुँच से बाहर होने चाहिए ।
- नंगे पैर किसी भी विद्युत प्रेस या हीटर को स्पर्श न करें ।
- विद्युत कार्य के लिए हमेशा लाइसेंसयुक्त / पंजीकृत विद्युत कॉन्ट्रैक्टर को ही नियुक्त करें ।
- विद्युत शॉक से सुरक्षा के लिए RCCB / ELCB (Residual current Circuit breaker / Earth leakage circuit breaker) का प्रयोग करें ।

विद्युत आइट्म्स को समझना

सिंगल फेस सिस्टम - इस प्रणाली में एक फेस वापर तथा एक न्यूट्रल वायर होता है तथा आवासों में उपयुक्त किया जाता है ।

थ्री फेस सिस्टम - इस प्रणाली के तीन फेस वायर तथा एक अर्ध वायर होता है । यह औद्योगिक तथा वाणिज्य संबंधी प्रतिष्ठानों में उपयोग की जाती है ।

सार्ट सर्किट - सार्ट सर्किट किसी भी फेस वायर के फेस वायर से सम्पर्क अथवा किसी फेस वायर के न्यूट्रल वायर से सीधे सम्पर्क के कारण होता है ।

अर्थिंग- अर्थिंग, विद्युतीय फेस, फ्रिक्वेंसी, लाइन वोल्टेज आदि में सार्ट सर्किट के कारण उत्पन्न अत्यधिक विद्युत धारा को बाईपास करने हेतु आवश्यक है । यह विद्युत उपकरणों को ही नहीं बचाता अपितु, आपके परिवार को भी बचाता है ।

फ्यूज़ वायर स्विच- यह एक प्रकार की स्विच है जिसमें Low meting point की धातु का फ्यूज़ वायर उपयोग किया जाता है ताकि ओवर लोड / सार्ट सर्किट की दशा में विद्युत संस्थापना को बचाया जा सके ।

मिनि सर्किट ब्रेकर (MCB)- एक चुंबकीय ट्रिपिंग डिवाइज जो कि ओवर लोडिंग या सार्ट सर्किट की दशा में कार्य करे ।

* * *-* * *

''----------और जिन्दगी थम गई ''

श्री शेष कुमार सावंत, उ.श्रे.लि.

मैं घर से आफिस के लिए निकल ही रहा था इतने में दो लड़कियाँ दरवाजे पर आयीं । उनके हाथों में छोटी-छोटी किताबें थीं, शायद धार्मिक । उन्होंने मुझसे बातें करनी शुरू की 'इस दुनिया में बहुत दु:ख है । कोई इंसान सुखी नहीं है मैंने कहा, 'ऐसी बात नहीं है' । उन्होंने मेरी बात अनसुनी कर मुझसे पूछा, 'क्या आपको कोई दु:ख नहीं है ?' मैंने कहा 'नहीं मैं सुखी हूँ । दु:ख-सुख तो मन के खेल हैं । दु:ख मेरे करीब आ ही नहीं सकता, क्योंकि मैं सुखी हूँ । हाँ, अपने आपको सुखी मानता हूँ । एक लड़की ने कहा, 'डर-----, आपको डर नहीं लगता------मौत से ? मैंने कहा, 'मौत से क्या डरना ? मौत तो शाश्वत है, जरूरी है । हर जीने वाले को मरना ही है ।' सामने से सवाल 'अगर मौत न हो तो ? क्या आप खुश होंगे ? मैंने कहा, 'अगर मौत नहीं तो जन्म रूक जायेगा ।' उसे कुछ समझा नहीं ----- उसने कहा ''आप हमारे इस पते पर आ जाइये---- वहाँ आपको हमारे ज्ञानी लोग बताएंगे---- मौत नहीं आएगी ------आप आना-----।' 'बेटी तुम बहुत छोटी हो----- मैं तुम्हें समझा नहीं सकता'----- वो दोनों चली गईं ।

मैं अपने ऑफिस की राह पर चल पड़ा ------। उसके शब्द मेरे कान में गूंज रहे थे । 'अगर मौत नहीं आयेगी तो------' नहीं आयेगी तो ---------मौत नहीं ------तो । मैंने मान लिया मौत नहीं आयेगी ------- मैं चलता रहा------- बस स्टॉप पर आया ------- लोग एक-दूसरे को धक्का देकर बस में चढ़ रहे हैं । जैसे तैसे मैंने बस में कदम रखा------क़ंडक्टर टिकट के लिए आया । जो बातें मेरे मन में थी वह मन ही मन मैंने कंडक्टर को बता दी । 'मौत नहीं है-----उसने अपना टिकट का ट्रे फेंक दिया -------अपना काम बंद किया, अगर मौत नहीं है तो मैं क्यूँ काम करूं ------ ?

खिड़की से बाहर देखा ठेले वाला बोझा ढकेल रहा है । उसे देखकर मेरे मन की बात मन ही मन बता दी ------उसने भी सब सामान छोड़ दिया-------उसने सोचा मैं क्यूँ मेहनत करूँ -------। बस में जितने लोग थे-----------सबने --------मैने उन सबको देख कर ------कहा -------सारे अपने लंच बॉक्स, आफिस में छोड़कर महफूज हो गये-------मौत नहीं है । -----तो क्यों जायें काम पर ? खिड़की से बाहर मैंने जिसे देखा, मेरे मनकी बात पहुँच गई-------।

सभी गाड़ियाँ रूकती गईं ------सभी चलने वाले रूक गये------अब क्या जरूरत है दौड़ने की ? सब अपने अपने काम छोड़कर रस्ते पर बैठ गये-------लेट गये-------मौत नहीं है तो क्या जरूरत है कहीं जाने की, आने की --------सब अमर हो गये--------आगे, आगे---------लोग एक-दूसरे पर पड़े रहे--------किसी को कोई फिक्र नहीं ----------जिंदा इंसानों के ढेर दिखाई देने लगे --------सब रूक गया---------जिंदे लाशों के ढेर जगह-जगह, कोने-कोने में दिखाई दे रहा था--------, जिंदा रहने के लिए अब कोई खाने पीने की जरूरत नहीं । अब मौत कभी भी नहीं आने वाली है । बस जिंदा ही रहेंगे ---------जिंदा ही रहना पड़ेगा ------क्योंकि मौत नहीं आयेगी ------ और जिंदा लाशों के ढेर बढ़ते जायेंगे, जिन्दगी थमती जायेगी ।

* * *-* * *